रानी मिस्त्री

- रानी मिस्त्रीयों को मिला अवसर एवं सम्मान,
- महिलाओं का बढ़ा मनोबल एवं स्वाभिमान,
- महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम,
- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा झारखंड के रानी मिस्त्रीयों कि प्रशंसा की गई|

MHT
कामिका

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)
चास नगर निगम
रानी मिस्त्री ट्रेनिंग
दिनांक : 19/06/2019 से 26/06/2019 तक

ट्रेनिंग. टाउन हॉल में प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ, उपायुक्त ने कहा

रानी मिस्त्री बन आत्मनिर्भर बनेंगी महिलाएं

प्रतिनिधि ▷ साहिबगंज

मां गंगा की धरती पर महिलाएं रानी मिस्त्री का काम कर आत्मनिर्भर बनेंगी. पक्का मकान बनाने में नींव से लेकर ढलाई तक काम करने में दक्ष बनेंगी. यह बातें डीसी राजीव रंजन ने टाउन हॉल में दूसरे बैच का प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ कर कही. सोमवार को प्रशिक्षण शिविर शुरू से गया. राज मिस्त्री ज्यादा पढ़े लिखे नहीं होते हैं. आकलन व कार्य बेहतर करते हैं. बेहतर काम करने वाले मिस्त्री का इंतजार लोग करते हैं. जब आप कार्य करें, तो लोग रानी मिस्त्री का नाम लेकर बोले की हम इस महिला मिस्त्री से ही कार्य करायेंगे. क्योंकि महिलाएं बेहतर काम करती है. वहीं श्रम अधीक्षक नागेंद्र कुमार ने कहा कि आप श्रमिक श्रम विभाग से अपना पंजीयन करावें. श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ लें. श्रम विभाग से श्रमिक जुड़ते हैं, तो उनके साथ-साथ उनके बच्चे परिजनों को भी इससे लाभ मिलेगा. इसलिए सभी श्रमिक अपना निबंधन अवश्य करावें. नगर कार्यपालक पदाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि महिला आज डॉक्टर, इंजीनियर बनने के अलावा सेना में भी जा रही है. इस दौरान 10 महिलाओं को श्रमिक कार्ड दिया गया. मंच संचालन भगवती रंजन ने किया. मौके पर दीपा देवी, कौशल किशोर ओझा, आरती देवी, पूर्णिमा देवी, वसुंधरा देवी, सुनीता देवी, दुलारी देवी, घनश्याम उरांव, मृणालकांत जायसवाल, उपेंद्र राय, सिटी मिशन मैनेजर महेंद्र महतो, रत्ना गुप्ता, सरवरी खातून, मनोज महतो, डॉ विनोद कुमार, चांदनी देवी, सुलेखा देवी, आशी देवी, रजनी देवी आदि मौजूद थे.

पहले बैच की महिलाओं को प्रमाण-पत्र देते डीसी.

प्रशिक्षण के बाद जिला प्रशासन देगा किट

प्रशिक्षण प्राप्त करनेवाली महिलाओं को रानी मिस्त्री का किट जिला प्रशासन की ओर दिया जायेगा. इसमें करनी, वसूली, शॉल, पानी वाला पाइप, धामा, फीता, कुदाल, हथौड़ी, पाटा, रुसा आदि रहेगा. महिलाओं को इंजीनियरिंग विभाग के जेइ व एइ भी प्रशिक्षण देंगे. इसमें जेइ राजेश सिंह, सीएलटीसी मनोज महतो, जेइ श्रीस्तधार, जेइ बालेश्वर मुर्मू, जेइ बाबूलाल सोरेन, पीएमसी स्टाफ, देइ रवि शेखर, कार्यपालक पदाधिकारी सहित अन्य मौजूद थे.

ड्रेस डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं बन रहीं स्वावलंबी

प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक.

साहिबगंज. भारतीय स्टेट ग्रामीण बैंक स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी साहिबगंज की ओर से 30 दिवसीय ड्रेस डिजाइनिंग प्रशिक्षण के तीसरे दिन सोमवार को प्रशिक्षक सांत्वना भगत द्वारा महिलाओं को ड्रेस डिजाइनिंग के साथ सूट, पेटीकोट संबंधित कढ़ाई, कटाई व मशीनों पर सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया. आरसेटी निदेशक रतन कुमार दास ने सभी प्रशिक्षुओं से कहा कि स्वरोजगार से जुड़कर लोगों को स्वयं भी आत्मनिर्भर बनना चाहिए. सरकार खासकर युवाओं व महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए कौशल विकास योजना के तहत विभिन्न प्रशिक्षण दे रही है. इस मौके पर प्रशिक्षक के रूप में राजहंस, मोहम्मद शनीफ सहित सभी प्रशिक्षु मौजूद थे.

प्रभात खबर Tue, 30 July 2019
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/41943266

खूंटी की रानी मिस्त्री को पीएम ने कहा, आप तो इंजीनियर बन गईं...

खूंटी | संवाददाता

खूंटी की महिलाओं के लिए मंगलवार को दिन खास और यादगार रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आठ मिनट तक यहां की महिलाओं से सीधी बात की। प्रधानमंत्री आवास योजना और मुद्रा योजना की वस्तुस्थिति की जानकारी ली।

खूंटी की अंजली देवी, गायत्री कुमारी, जुबैदा खातून व नीरू देवी समेत कई महिलाएं प्रधानमंत्री के साथ इस बातचीत में शामिल हुईं। बातचीत का दौर जैसे ही शुरू हुआ प्रधानमंत्री ने कहा- अंजली देवी जी नमस्कार। जवाब में सभी महिलाओं ने प्रधानमंत्री को जोहार सह कहकर उनका अभिनंदन किया। पीएम ने पूछा- अंजली जी आप क्या करती हैं ? जवाब था- सर, फुटपाथ पर कपड़े का बिजनेस करती हूं।

प्रधानमंत्री से वीडियो कांफ्रेंसिंग पर बात करतीं खूंटी की महिलाएं।

रानी मिस्त्री : पीएम ने कहा-

मुख्यमंत्री रघुवर दास बता रहे थे कि झारखंड में महिलाओं को राज मिस्त्री की तर्ज पर रानी मिस्त्री की ट्रेनिंग दी गयी है। महिलाएं मकान बना रही हैं। गायत्री देवी ने आगे बढ़कर अपना अनुभव साझा किया कि- 2016 में रानी मिस्त्री की ट्रेनिंग लेने के बाद वह तीन शौचालयों का निर्माण खुद कर चुकी है। अब प्रधानमंत्री आवास बनाने का काम कर रही हैं।

पीएम ने पूछा- आपको काम मिल जाता है? आप पर लोग यह भरोसा करते हैं कि आप जो मकान बनाएंगी, वह अच्छा बनेगा। आप घर बनाती हैं, तो दीवार इधर-उधर तो नहीं होती। महिलाओं का जवाब तैयार था। नीरू ने कहा- नहीं सर, रस्सी और साहुल लगाकर बनाते हैं। तब पीएम ने कहा- आप तो इंजीनियर बन गईं।

गायत्री ने बताया कि बहुत सारे शौचालय बन गए हैं, लेकिन गांव शौचमुक्त नहीं हुआ है। लेकिन कोशिश जारी है।

दूसरी रानी मिस्त्री नीरू देवी ने पीएम को बताया कि उन्होंने तीन सालों में प्रशिक्षण पूरा किया। रानी मिस्त्री बनने के बाद उन्होंने 15-20 महिलाओं को वह काम सिखाया है। मकान नहीं होने का दर्द नीरू ने पीएम के साथ साझा की। नीरू को प्रधानमंत्री आवास नहीं मिला है। लेकिन अब अपना मकान बना लिया है। मकान नहीं होने का दर्द प्रधानमंत्री को बताते हुए नीरू ने कहा कि पहले वह खपड़े के घर में रहतीं थीं। बरसात के दिनों में बच्चों के मच्छरदानी के उपर प्लास्टिक ढंक देती थीं। दोनों पति-पत्नी पूरी रात जगे रहते थे। नीरू ने पीएम से आग्रह किया कि उन गरीबों को भी घर मिले, जो बेघर हैं। पीएम ने आश्वासन दिया कि अभी सारे बेघरों को घर मिलेगा। मैं जो काम करता हूं, उसे पूरा करके छोड़ता हूं। यही तो मेरी विशेषता है।

अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि आप बहनों का आशीर्वाद बना रहना चाहिए। नशा को त्यागने और बच्चों को शिक्षित करने की पीएम ने अपील की। जोहार...जोहार...जोहार...जोहार कहकर पीएम ने विदाई ली।

मुद्रा योजना की ली जानकारी

सरकार ने पर दे दिया। अब अगर कोई व्यापार करना चाहे, तो बिना ब्याज के मुद्रा लोन देते हैं बैंक। क्या अनुभव है आपलोगों का, यह सवाल जब पीएम ने किया, तब एक महिला ने कहा कि उनके पति का निधन हो गया था। चूड़ी बेचकर तीन बच्चों को पालती थीं। मुद्रा लोन के तहत पचास हजार रुपये मिलने के बाद उन्होंने चूड़ी बेचना छोड़ कपड़े का व्यापार शुरू किया। उसके बाद प्रधानमंत्री आवास मिल गया। अब उनका परिवार खुशहाल है। दूसरी महिला ने भी बताया कि सर, मुझे भी मुद्रा लोन के तहत 20 हजार रुपये मिले। उस पैसे से सिलाई का काम शुरू किया। साथ ही दो महिलाओं को रोजगार भी दिया। इससे वे छह से सात हजार रुपये कमा लेती हैं। अभी इसे और भी आगे बढ़ाना है। तब पीएम ने कहा कि आपलोगों का यही उत्साह देश को आगे बढ़ाएगा।